SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 06 (Jul-Sep 2001)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना
त्रैमासिक

2001
सहस्राब्दी अंक छह
जुलाई-सितम्बर

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

सम्पादक
परमानन्द श्रीवास्तव

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक : 5

आलोचना-परिदृश्य

संस्कृति और भूमंडलीकरण : **एजाज़ अहमद** *(अनु. प्रियदर्शन)* 7
रूपक, साहित्य-भाषा और समकालीन समीक्षा : **राजनाथ** *(अनु. रामकीर्ति शुक्ल)* 20
उत्तर-उपनिवेशवाद : एक भारतीय विमर्श : **अवधेश कुमार सिंह** *(अनु. अमिताभ खरे)* 35
साहित्य और आलोचना के ढाई घर में पाठक का झिझिर कोना : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 46
'यहूदी की लड़की' का रचना-विधान : **देवेन्द्र राज अंकुर** 56
मराठी उपन्यासों का समकालीन परिदृश्य : **चन्द्रकान्त पाटील** 62

सृजन-परिदृश्य

हरीशचन्द्र पांडे की कविताएँ 69
नोटबुक से : **शशांक** 75

कथा-परिदृश्य

उपन्यास का जनतन्त्र और हाशिए का समाज : **वीरेन्द्र यादव** 78
क्याप अर्थात् 'कुछ भी नहीं हुआ' : **विजयमोहन सिंह** 92
यथार्थवाद पर भरोसा किए बगैर कथा का यथार्थ : **परमानन्द श्रीवास्तव** 97
कहानी की उपस्थिति : **जय प्रकाश** 101
कहानी लिखतीं स्त्रियाँ : **प्रियदर्शन** 108
प्रकृतवाद के लौह-शिकंजे में कैद अल्मा : **ललित कार्तिकेय** 114

स्त्री-महाशक्ति की भूमिका की पहचान : **भवदेव पांडेय** 118
उदास चाँदनी के साथ-साथ : **सुशील सिद्धार्थ** 122
रचनात्मकता और वैचारिकता का अग्रगामी मेल : **शंभु गुप्त** 127
बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कहानी : संकलन और सार के बीच : **अरुण प्रकाश** 136

वाद विवाद संवाद

परम्परा और प्रबोधन : **पुरुषोत्तम अग्रवाल** 142